

केशू बन्नास गंगोपराम वसन्त

क्र. नं

02/2020

प्रा. पत्र 15/1/20

क्र. नं.

दिनांक आका
या कार्यवाही

आका विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

कि प्रकाश के प्रकाशन के मध्य आपसी
समसायस्य से साजीगमा हो जावई प्रकाश
से आगे कोई कार्यवाही नहीं चारता है
प्रकाश को बिना किये जावे की अनुमति
दिये जाने काकर निकेडक किया हो उभी
करी का पर्याप्त उसके अधिकता भी छोड
प्रकाश अभी 15 से की हो वर! आशी का
को प्रकाश की बिना करने की अनुमति ही
जाका प्रकाश की बिना के आधा प्रकाश
की जाली है प्रकाश की प्रकाश आका
दरत समक से समक लेया काकी ल
है मल र ध

संज्ञिक कलकत्ता
की संज्ञिक कलकत्ता